AMOGHVARTA

ISSN : 2583-3189

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध का तुलनात्मक अध्ययन

ORIGINAL ARTICLE

Authors

श्रीमती भूभारती साहू
शोधार्थी
हेमचंद यादव विश्वविद्यालय
दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत

डॉ. सुमिता सिंह
शोध निर्देशक
सहा. प्राध्यापक (शिक्षा संकाय)
सेंट थॉमस कॉलेज
रूआबांधा भिलाई, दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत

डॉ. अनिर्बन चौधरी
सह शोध निर्देशक
सहा. प्राध्यापक (शिक्षा संकाय)
कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
सेक्टर – 7, भिलाई, दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत

शोध सार

प्रस्तुत शोध उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध का तुलनात्मक अध्ययन हेतु किया गया है। अध्ययन हेतु दुर्ग जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 100 विद्यार्थियों (50 छात्र एवं 50 छात्राऐं) का चयन गैर आनुपातिक स्तरीकृत यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है। प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग उसके उद्देश्यों एवं विशेषताओं को ध्यान में रखकर किया गया है। शोध अध्ययन में आंकड़ों के संग्रहण हेतु साहू एवं सिंह (2019) द्वारा निर्मित माता–पाल्य संबंध मापनी का प्रयोग किया गया है। आंकड़ों के मापन हेतु टी–मूल्य सांख्यिकीय विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। शोध के निष्कर्ष में यह पाया गया कि उपरोक्त सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष पाया गया कि लिंग के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य सार्थक अंतर पाया गया तथा क्षेत्र के आधार विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

मुख्य शब्द

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, माता–पाल्य संबंध, विद्यार्थियों.

प्रस्तावना

माता–पाल्य संबंध एक ऐसा बंधन है जो जीवनभर के लिए बच्चों के व्यक्तित्व, मानसिकता, और सामाजिक व्यवहार को आकार देता है। विशेष रूप से, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी जीवन के उस चरण में होते हैं जहां उनका मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक विकास अपने चरम पर होता है। यह समय बच्चों के लिए न केवल शैक्षणिक उपलब्धियों का होता है, बल्कि उनके जीवन में आत्मनिर्भरता, सामाजिक पहचान, और भविष्य के निर्णयों का भी महत्वपूर्ण चरण होता है। इस समय माता और बच्चे के बीच संबंधों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। माता न केवल एक पोषणकर्ता होती हैं, बल्कि बच्चे के जीवन में एक मार्गदर्शक, प्रेरणास्त्रोत, और भावनात्मक सहारा भी होती हैं। मां के साथ बच्चों के संबंधों की गुणवत्ता न केवल उनकी शिक्षा पर प्रभाव डालती है, बल्कि यह उनकी मानसिक स्थिरता, आत्मविश्वास, और सामाजिक कौशल को भी प्रभावित करती है। माता–पाल्य

संबंधों का अध्ययन यह समझने में मदद करता है कि मां के व्यवहार, संवाद, और सहयोग का बच्चे के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर क्या प्रभाव पड़ता है। विशेष रूप से, जब विद्यार्थी किशोरावस्था में होते हैं, तो यह संबंध जटिल और संवेदनशील बन जाता है। यह अध्ययन इस बात को रेखांकित करता है कि माता–पाल्य संबंधों की गहराई और गुणवत्ता बच्चों के शैक्षणिक और सामाजिक विकास में कैसे सहायक हो सकती है।

माता–पाल्य संबंध

माता–पाल्य संबंध से तात्पर्य उस भावनात्मक, सामाजिक, और नैतिक बंधन से है, जो मां और बच्चे के बीच होता है। यह संबंध जन्म से ही स्थापित हो जाता है और जीवन के हर चरण में इसे विकसित और मजबूत बनाए रखने की आवश्यकता होती है। इस संबंध में मां की भूमिका सिर्फ शारीरिक पोषण और देखभाल तक सीमित नहीं है, बल्कि वह बच्चे के मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

संबंधित शोध अध्ययन

लॉरेन्स (2022) ने माता–पाल्य संबंध एवं उनके जीवन संतुष्टि पर समानुभूति के प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि प्रशिक्षण के द्वारा सहानुभूति में वृद्धि के कारण माता–पाल्य संबंध की गुणवत्ता एवं जीवन संतुष्टि दोनों में सुधार पाई गई।

असलान एवं एल्टीनिसिक (2022) ने किशोर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध का उनके दुश्चिंता एवं सामाजिक व्यवहार के साथ संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि विद्यार्थियों के दुश्चिंता एवं माता–पाल्य संबंध के मध्य सकारात्मक सहसंबंध पाया गया। यह भी पाया गया कि माता–पाल्य संबंध विद्यार्थियों के दुश्चिंता को कम कर उनके सामाजिक व्यवहार में विकास कर सकता है।

अलमीड़ा एवं अन्य (2022) नें विद्यार्थियों के माता–पाल्य एवं पिता–पाल्य संबंध पर संवेगात्मक उपलब्धता के प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि पालक तथा पाल्यों की संवेगात्मक उपलब्धता पाल्यों को गोद लेने की आयु, गोद लेने से वर्तमान समय का अंतराल उनके माता–पाल्य तथा पिता–पाल्य संबंध को निर्धारित करता है।

आइटेक एवं पाइके (2018) ने इंग्लैण्ड एवं तुर्की देशों के माता पाल्य संबंध एवं बच्चों के व्यवहार पर एक अध्ययन किया। इस अध्ययन में प्रतिदर्श के रूप में इंग्लैण्ड से 118 परिवार एवं तुर्की से 100 परिवार को लिया गया। अध्ययन में पाया गया कि माताओं के पाल्यों के व्यवहार का सकारात्मक सहसंबंध होता है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. लिंग के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य अंतर का अध्ययन करना।
2. क्षेत्र के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य अंतर का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

$\mathbf{H_{01}}$ लिंग के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

$\mathbf{H_{02}}$ क्षेत्र के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

अध्ययन की परिसीमायें

- प्रस्तुत शोध अध्ययन दुर्ग जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत 100 विद्यार्थियों तक परिसीमित है।
- प्रस्तुत शोध अध्ययन में न्यादर्श को लिंग (छात्र एवं छात्राओं) के आधार पर विभाजित किया गया है।
- प्रस्तुत शोध अध्ययन दुर्ग जिले के ग्रामीण एवं शहरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों तक ही परिसीमित है।

चर

- स्वतंत्र चर – लिंग एवं क्षेत्र
- आश्रित चर – माता–पाल्य संबंध

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध अध्ययन दुर्ग जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को चयनित किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन में दुर्ग जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 100 विद्यार्थियों (50 छात्र एवं 50 छात्राऐं) का चयन गैर आनुपातिक स्तरीकृत यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग उसके उद्देश्यों एवं विशेषताओं को ध्यान में रखकर किया गया है।

उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में आंकड़ों के संग्रहण हेतु साहू एवं सिंह (2019) द्वारा निर्मित माता–पाल्य संबंध मापनी का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकीय विश्लेषण

प्रस्तुत शोध में आंकड़ों के मापन हेतु टी – मूल्य सांख्यिकीय विश्लेषण का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण

$\mathbf{H_{01}}$ लिंग के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 1: लिंग के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य अंतर की गणना हेतु तालिका

चरो का विवरण	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी मान (t)
छात्राएँ	50	282.000	19.479	5.230
छात्र	50	254.600	21.073	

तालिका क्रमांक 1 में स्पष्ट है कि लिंग के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य टी–मान 5. 230 है, जो 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका मान से अधिक हैं। अतः लिंग के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य सार्थक अंतर पाया गया। इस प्रकार परिकल्पना "लिंग के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा" अस्वीकृत की जाती है।

$\mathbf{H_{02}}$ क्षेत्र के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 2: क्षेत्र के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य अंतर की गणना हेतु तालिका

चरो का विवरण	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी मान (t)
ग्रामीण	50	268.87	22.532	0.178
शहरी	50	267.73	26.524	

तालिका क्रमांक 2 में स्पष्ट है कि क्षेत्र के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य टी–मान 0.178 है, जो 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका मान से कम हैं। अतः क्षेत्र के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया गया। इस प्रकार परिकल्पना "लिंग के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा" स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष

उपरोक्त सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष पाया गया कि लिंग के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य सार्थक अंतर पाया गया तथा क्षेत्र के आधार पर विद्यार्थियों के माता–पाल्य संबंध के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

संदर्भ सूची

1. Almeida, A. (2022) Emotional availability in mother-child and father child interaction as predictors of child attachment representations in adoptive families, *International Journal Environment Research Public Health*, 19(8), 4720.
2. Aslan, O.M. & Altinisik, Y. (2022) The role of mother-child relationship between young children anxiety and social play, *Early Child Development and Care*, 192(12), 2442-2454.
3. Aytece, B. & Pike, A. (2018) The mother child relationship and children's behaviours : A multilevel Analysis in two countries, *Journal of comparative family studies*, 49(1). 45-71.
4. Lawrence (2022). Study finds empathy training improves mother-child relationship life satisfaction, *Journal of Adolescent Research*, 3(4), 785-792.

––==00==––